भारत - फिजी संबंध

ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य :

फिजी के साथ भारत के संबंधों की शुरूआत 1879 में उस समय हुई जब गन्ने के खेतों में काम करने के लिए संविदा प्रणाली के तहत भारतीय मजदूर यहां लाए गए। 1879 से 1916 के बीच तकरीबन 60,000 भारतीय मजदूर फिजी लाए गए। 20वीं शताब्दी की शुरूआत से भारतीय व्यापारी एवं अन्य लोग भी फिजी पहुंचना शुरू कर दिए। वर्ष 1920 में, संविदा प्रणाली समाप्त हो गई। इस समय फिजी की 8,40,000 की कुल आबादी (वर्ष 2009 के अनुमान के अनुसार) में 37 प्रतिशत भारतीय मूल के व्यक्ति हैं।

1970 में फिजी की आजादी से पूर्व, भारतीय मूल के व्यक्तियों के हितों की देखभाल करने के लिए वर्ष 1948 से फिजी में भारत का आयुक्त हुआ करता था। जिसे आजादी के बाद उच्चायुक्त के रूप में अपग्रेड किया गया। फिजी के प्रधानमंत्री रातू सर कैमिसेसे मारा ने 1971 में भारत का दौरा किया तथा प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने 1981 में फिजी का दौरा किया।

फिजी में राजनीतिक गतिविधियों के बाद मई, 1990 में भारतीय उच्चायोग एवं भारतीय सांस्कृतिक केंद्र को बंद कर दिया गया। इसके बाद मार्च, 1999 में भारतीय उच्चायोग को तथा फरवरी, 2005 में भारतीय सांस्कृतिक केंद्र को फिर से खोला गया। फिजी ने जनवरी, 2004 में नई दिल्ली में अपने उच्चायोग की स्थापना की।

सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम : भारत सरकार के तीन उपक्रम अर्थात्न्यू इंडिया एस्योरेंस कंपनी लिमिटेड (वर्ष 1954 से), भारतीय जीवन बीमा निगम (वर्ष 1956 से), बैंक ऑफ बड़ौदा (वर्ष 1961 से) फिजी में काम कर रहे हैं।

भारत की हाल की यात्राएं

2015 : जयपुर में सी आई आई साझेदारी शिखर बैठक के लिए जनवरी में अटार्नी जनरल तथा पर्यटन, उद्योग एवं व्यापार मंत्री ऐयाज़ सईद खैयूम और उद्योग एवं व्यापार मंत्री फैयाज़ कोया; कोच्चि में एशिया - प्रशांत नारियल समुदाय की 51वीं मंत्री स्तरीय बैठक के लिए जनवरी - फरवरी में कृषि मंत्री इनिया सेरूराटू; मार्च में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवा मंत्री जोन उस्माटे; जयपुर में भारत – प्रशांत द्वीप सहयोग मंच (एफ आई पी आई सी) की दूसरी शिखर बैठक के लिए अगस्त में प्रधानमंत्री जोसाया वोरेक बैनिमैरमा; भोपाल में विश्व हिंदी सम्मेलन के लिए सितंबर में भारतीय वंश के 20 फिजीयन; और नई दिल्ली में उन्नत स्वास्थ्य देखरेख शिखर बैठक के लिए अक्टूबर में कार्यकारी स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवा मंत्री वीना भटनागर।

भारत की ओर से हाल की यात्राएं

2015 : व्यवसाय विस्तार के लिए अप्रैल में न्यू इंडिया एश्योरेंस के प्रमुख जी श्रीनिवासन; एक परिचय दौरे पर कैनबरा, आस्ट्रेलिया आधारित भारत के रक्षा सलाहकार कैप्टन चेतन चंदीगावे; परफार्मेंस के लिए मई में बॉलीवुड सिंगर हिमेश रेशमिया; द्वितीय संयुक्त कार्य समूह के लिए जुलाई में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में संयुक्त सचिव श्री धरित्री पांडा के नेतृत्व में भारतीय शिष्टमंडल; सी आई आर डी ए पी कार्यकारी समिति की 30वीं बैठक (ई सी 30) और सी आई आर डी ए पी शासी परिषद की 20वीं बैठक (जी सी 20) एवं सी आई आर डी ए पी की 7वीं क्षेत्रीय नीति वार्ता (आर डी पी 7) के लिए अगस्त में ग्रामीण विकास मंत्री श्री चौधरी बीरेंद्र सिंह; और नाडी में रिलैक्स रिजॉर्ट के उद्घाटन के लिए अक्टूबर में बॉलीवुड अभिनेता जॉनी लीवर।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 19 नवंबर, 2014 को फिजी का दौरा किया। इस यात्रा के दौरान फिजी के साथ तीन एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए : (i) फिजी में सह उत्पादन संयंत्र स्थापित करने के लिए ऋण सहायता प्रदान करने के लिए एम ओ यू, (ii) राजनयिकों के प्रशिक्षण के क्षेत्र में सहयोग पर एम ओ यू, और (iii) संबंधित देशों की राजधानियों में उनके राजनयिक मिशनों के लिए भूमि आवंटित करने पर एम ओ यू। भारत - प्रशांत द्वीपीय देश मंच शिखर बैठक का आयोजन फिजी में हुआ जिसमें प्रशांत क्षेत्र के 14 देशों ने भाग लिया।

भारतीय सहायता :

माननीय प्रधानमंत्री जी ने 19 नवंबर, 2014 को फिजी के संबंध में अनेक घोषणाएं की जो इस प्रकार हैं : (i) फिजी के संसदीय पुस्तकालय के निर्माण के लिए भारत की सहायता, (ii) फिजी के नागरिकों के लिए आगमन पर वीजा की सुविधा, (iii) फिजी में लघु व्यवसायों तथा कुटीर उद्योग को बढ़ावा देने के लिए 5 मिलियन अमरीकी डालर की निधि का प्रावधान, (iv) एक सह उत्पादन परियोजना के लिए 70 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता का विस्तार, (v) आई टी ई सी (सिविल एवं रक्षा) तथा छात्रवृत्ति के स्लॉटों को फिजी के लिए बढ़ाकर 125 करना, (vi) फिजी में चावल, नारियल एवं डेयरी उद्योग के विकास में सहयोग में वृद्धि करना, (vii) भारत आईटी एवं डिजीटल फिजी को बढ़ावा देने के लिए सहायता प्रदान करेगा, (viii) अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग में वृद्धि जिसमें अभिशासन, आर्थिक विकास, संरक्षण, जलवायु परिवर्तन तथा प्राकृतिक आपदाओं में इसका अनुप्रयोग शामिल है, और (ix) फिजी में शूटिंग करने के लिए भारतीय फिल्म उद्योग को प्रोत्साहित करना।

प्रशांत क्षेत्र के देशों (जिसमें फिजी भी शामिल है) के संबंध में 19 नवंबर, 2014 को माननीय प्रधानमंत्री द्वारा जो घोषणाएं की गई उनमें निम्नलिखित शामिल हैं : (i) 1 मिलियन डालर के एक विशेष अनुकूलन कोष का गठन, (ii) टेली - मेडिसीन एवं टेली - एजुकेशन के लिए अखिल प्रशांत द्वीप परियोजना का विकास, (iii) प्रशांत द्वीप के देशों - कुक द्वीप समूहों, किंगडम ऑफ टोंगा, टुवालु, नौरू गणराज्य, किरिबाटी गणराज्य, वनौतू सोलोमन द्वीप समूह, समोया, नीयू, पलायू गणराज्य, माइक्रोनेशिया संघीय गणराज्य, मार्शल द्वीप गणराज्य, फिजी, पपुआ न्यू गिनिया के लिए आगमन पर भारतीय वीजा, (iv) प्रशांत द्वीप के देशों के लिए प्रति वर्ष सहायता अनुदान को बढ़ाकर 2,00,000 डालर करना जिसे हमारे विकास सहयोग के लिए एक व्यापक क्षेत्र प्रदान करने के लिए शुरू किया जाएगा, (v) भारत में प्रशांत द्वीप मंच के देशों के लिए व्यापार कार्यालय की स्थापना, (vi) आई टी पी ओ द्वारा आयोजित प्रदर्शनियों के दौरान प्रशांत द्वीप मंच के देशों के लिए कंप्लीमेंटरी स्पेस प्रदान करना, (vii) कृषि, स्वास्थ्य देखरेख एवं आईटी जैसे क्षेत्रों सहित अनेक क्षेत्रों में प्रशांत द्वीप के देशों में आई टी ई सी विशेषज्ञों की प्रतिनियुक्ति, (viii) प्रशांत द्वीप के देशों के राजनयिकों के लिए प्रशिक्षण का आयोजन करना, (ix) प्रशांत द्वीप के देशों के लिए विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम शुरू करना, (x) 2015 में भारत में प्रशांत द्वीप के देशों एवं भारत के नेताओं की अगली शिखर बैठक का आयोजन करना, (xi) लोगों के जीवन की गुणवत्ता एवं संचार की सुविधाओं में सुधार के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के अप्लीकेशन के प्रयोग में सहयोग, (xii) जलवायु परिवर्तन की निगरानी, आपदा जोखिम कटौती तथा प्रबंधन एवं संसाधन प्रबंधन के लिए डाटा की हिस्सेदारी की संभावनाओं का पता लगाना और (xiii) परंपरागत दवाओं में संयुक्त अनुसंधान करना; इस क्षेत्र के लोगों के लाभ के लिए स्वास्थ्य देखरेख की सुविधाएं विकसित करना।

पी आई एफ देशों में से प्रत्येक को सहायता अनुदान के लिए भारत सरकार द्वारा की गई घोषणाओं को पूरा करने के लिए भारत सरकार द्वारा फिजी को निम्नलिखित सहायता प्रदान की गई है - फिजी पुलिस के लिए 5 कारें; 500 सिलाई मशीनें; अस्पतालों के लिए 5 एंबुलेंस; प्राथमिक एवं उच्चतर माध्यमिक स्कूलों के लिए 134 वाटर टैंक; सुवा सिटी कारनेगी मोबाइल लाइब्रेरी के लिए मोबाइल लाइब्रेरी वैन; रारावई एवं पेनांग गन्ना उत्पादक संघ के लिए 4 x 4 डबल कैब; सुवा के निकट कियुवा में एक सड़क का उन्नयन; तथा लसाबा में टी आई एस आई संगम कॉलेज ऑफ नर्सिंग एंड हेल्थ केयर एजुकेशन; विद्यालयों के लिए 5000 आकाश यूबी स्लेट टैबलेट और 300 सिलाई मशीनें।

भारत सरकार द्वारा संबद्ध साजो-सामान के साथ मोटराइज्ड सुगरकेन क्रशिंग यूनिट के 5 सेट खरीदने के लिए अप्रैल, 2012 में फिजी राष्ट्रीय विश्वविद्यालय को तथा अप्रैल, 2012 में फिजी के किडनी फाउंडेशन के नए डायलसिस सेंटर के लिए डायलसिस मशीन एवं उपकरण की खरीद के लिए किडनी फाउंडेशन को सहायता प्रदान की गई। कुल 10 लाख रूपए की लागत से भारत से दवाएं खरीदने के लिए भी जनवरी, 2014 में सहायता प्रदान की गई।

भारत सरकार द्वारा फिजी को मार्च, 2010 में टोमास चक्रवात के बाद फरवरी, 2009 में 100,000/- अमरीकी डालर; जनवरी एवं मार्च, 2012 में बाढ़ के बाद जुलाई, 2012 में 200,000 अमरीकी डालर और एवान चक्रवात के बाद वर्ष 2013 में 100,000 अमरीकी डालर की कुल सहायता प्रदान की गई। जम्मू एवं कश्मीर में भूकंप आने के बाद फिजी सरकार द्वारा अक्टूबर, 2005 में भारत को 30,000 डालर की सहायता प्रदान की गई थी।

भारत ने फिजी में गन्ना मिलों के उन्नयन के लिए जुलाई, 2005 में 50.4 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता प्रदान की थी। तथा फिजी में चीनी उद्योग के उन्नयन के लिए 5.38 मिलियन अमरीकी डालर और रारावई चीनी मिल में विद्युत संयंत्र के सह निर्माण के लिए 70 मिलियन अमरीकी डालर की एक और ऋण सहायता फरवरी 2015 में प्रदान की गई।

फिजी की अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री की घोषणा के बाद, वार्षिक आई टी ई सी स्लॉटों की संख्या 55 से बढ़ाकर 110 कर दी गई, जिसे पुन: 2015-16 के लिए बढ़ाकर 170 कर दिया गया है।

प्रवासी भारतीय दिवस (पी बी डी) / प्रवासी भारतीय सम्मान (पी बी एस)

फिजी से प्रवासी भारतीय सम्मान प्राप्त करने वाले व्यक्ति इस प्रकार हैं : पूर्व प्रधानमंत्री श्री महेंद्र चौधरी (2004); गोल्फर श्री विजय सिंह (2005); उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश स्वर्गीय सर मोती टिकाराम (2007) और श्री वाई पी रेड्डी, अध्यक्ष रेड्डी ग्रुप तथा अध्यक्ष, गिरमिट परिषद (2010)।

शिक्षा क्षेत्र

आई सी सी आर चेयर : नवंबर, 2015 में प्रो. बालाकृष्णन दिवाकर ने फिजी राष्ट्रीय विश्वविद्यालय (एफ एन यू) में आई सी सी आर चेयर के रूप में ज्वॉइन किया।

आई सी सी आर की सामान्य छात्रावृत्ति स्कीम आई सी सी आर की सामान्य छात्रावृत्ति स्कीम के तहत वर्ष 2015-16 के लिए फिजी को 29 छात्रवृत्तियों की पेशकश की गई। फिजी ने 13 छात्रवृत्तियों का उपयोग किया।

अन्य छात्रवृत्तियां : डायसपोरा के बच्चों के लिए एम ओ आई ए द्वारा गैर देश विशिष्ट छात्रवृत्तियों, केंद्रीय हिंदी संस्थान, नई दिल्ली एवं आगरा द्वारा संचालित हिंदी में प्रमाणपत्र / डिप्लोमा पाठ्यक्रम तथा परंपरागत दवा में आयुष छात्रवृत्ति स्कीम की भी पेशकश की जाती है। फिजी के एक छात्र ने पहली बार वर्ष 2012 में आयुष की छात्रवृत्ति का लाभ उठाया।

स्वास्थ्य देख-रेख

सह्याद्रि : फिजी में तृतीयक स्वास्थ्य देख-रेख की सुविधाएं प्रदान करने के लिए जुलाई, 2012 में सह्याद्रि ऑफ हास्पिटल्स, पुणे तथा स्वास्थ्य मंत्रालय, फिजी सरकार के बीच एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किया गया। अप्रैल, 2013 में अपोलो हास्पिटल ने प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण में सहयोग तथा टेली मेडिसीन / मोबाइल स्वास्थ्य

कार्यक्रम के आयोजन में सहयोग के लिए फिजी राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के साथ एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किया। अगस्त, 2013 में, फिजी राष्ट्रीय विश्वविद्यालय (एफ एन यू) के परिसर में अपोलो का एक टेली मेडिसीन सेंटर खोला गया।

जयपुर फुट : फिजी के स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने जुलाई से सितंबर, 2010 के दौरान जयपुर फुट संगठन (भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति - बी एम वी एस एस) में प्रोस्थेटिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। अंग फिट करने तथा सी डब्ल्यू एम अस्पताल, सुवा में एक कृत्रिम अंग यूनिट की स्थापना में मदद करने के लिए फिजी के स्वास्थ्य मंत्रालय के निमंत्रण पर जून, 2011 में बी एम वी एस एस की एक विशेषज्ञ टीम ने फिजी का दौरा किया।

वाणिज्यिक एवं आर्थिक संबंध :

द्विपक्षीय व्यापार : (फिजी द्वीप समूह के सांख्यिकी ब्यूरो के अनुसार)

वर्ष	निर्यात		आयात		कुल व्यापार	
	फिजीयन डालर	अमरीकी डालर	फिजीयन डालर	अमरीकी डालर	फिजीयन डालर	अमरीकी डालर
2011	7.4	4.1	64.3	35.3	71.7	39.4
2012	10.3	5.8	70.3	39.3	80.6	45.1
2013	3.5	1.9	89.6	49.0	93.1	50.9
2014	4.0	2.0	97.5	48.7	101.5	50.7

भारत से आयात की जाने वाली प्रमुख वस्तुओं में कपड़ा, बहुमूल्य एवं अर्ध बहुमूल्य पत्थर, रसायन, प्लास्टिक एवं रबर, मशीनरी एवं खाद्य उत्पाद शामिल हैं। भारत को निर्यात की जाने वाली प्रमुख वस्तुओं में मोती तथा लोहा एवं इस्पात (स्क्रैप) शामिल हैं।

बैंकिंग : मार्च, 2011 में भारतीय रिजर्व बैंक तथा फिजी रिजर्व बैंक के बीच पर्यवेक्षी सहयोग तथा पर्यवेक्षी सूचना के आदान प्रदान के लिए एम ओ यू पर हस्ताक्षर किया गया।

पर्यटन : भारतीय पर्यटन कार्यालय, सिडनी ने वर्ष 2012, 2013, 2014 और 2015 के हिबिसकुस महोत्सव में भाग लिया। यह महोत्सव हर साल अगस्त में सुवा में आयोजित किया जाता है।

कांसुलर : फिजी में रहने वाले भारतीयों की संख्या 1400 के आसपास है जो ज्यादातर आईटी, प्रबंधन, वित्त, बैंकिंग, शिक्षा, चिकित्सा, होटल उद्योग आदि जैसी सेवाओं में काम कर रहे हैं।

सांस्कृतिक संबंध : भारत सरकार द्वारा 1972 में फिजी में एक भारतीय सांस्कृतिक केंद्र (आई सी सी) स्थापित किया गया। भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य तथा हिंदी भाषा में भारतीय सांस्कृतिक केंद्र कक्षाएं चलाता है। भारतीय सांस्कृतिक केंद्र सांस्कृतिक संध्या, प्रदर्शनी, फिल्म शो, कार्यशाला तथा चर्चा आदि का नियमित रूप से आयोजन करता है।

फिल्म महोत्सव : भारतीय उच्चायोग तथा अन्य के सहयोग से फिजी राष्ट्रीय विश्वविद्यालय तथा फिल्म फिजी ने वर्ष 2012, 2013, 2014 और 2015 में अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का आयोजन किया। वर्ष 2015 में भारत से प्रविष्ठियों ने विभिन्न श्रेणियों में 11 पुरस्कार जीते।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय उच्चायोग, सुवा की वेबसाइट :
http://www.indianhighcommissionfiji.org
भारतीय उच्चायोग, सुवा का फेसबुक पेज :
https://www.facebook.com/IndiainFiji
भारतीय सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय उच्चायोग, सुवा का फेसबुक पेज :
https://www.facebook.com/ICCHighcomindSuva

***

जनवरी, 2016